अध्याय-01

प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (सेवारत शिक्षकों हेतु) नियमपुस्तिका एवं पाठ्यक्रम

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील 1385/2025, 1386/2025 तथा अन्य समरूप याचिकाओं में पारित आदेश दिनांक 1 सितम्बर 2025 के अनुसार प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ाने वाले ऐसे शिक्षक जिन्होंने पूर्व में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है, उन्हें पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश का आपरेटिव्ह पैरा निम्नानुसार :-

216. Bearing in mind their predicament, we invoke our powers under Article 142 of the Constitution of India and direct that those teachers who have less than five years' service left, as on date, may continue in service till they attain the age of superannuation without qualifying the TET. However, we make it clear that if any such teacher (having less than five years' service left) aspires for promotion, he will not be considered eligible without he/she having qualified the TET.

217. Insofar as in-service teachers recruited prior to enactment of the RTE Act and having more than 5 years to retire on superannuation are concerned, they shall be under an obligation to qualify the TET within 2 years from date in order to continue in service. if any of such teachers fail to qualify the TET within the time that we have allowed, they shall have to quit service. They may be compulsorily retired; and paid whatever terminal benefits they are entitled to. We add a rider that to qualify for the terminal benefits, such teachers must have put in the qualifying period of service, in accordance with the rules. If any teacher has not put in the qualifying service and there is some deficiency, his/her case may be considered by the appropriate department in the Government upon a representation being made by him/her.

218. Subject to what we have said above, it is reiterated that those aspiring for appointment and those in-service teachers aspiring for appointment by promotion must, however, qualify the TET, or else, they would have no right of consideration of their candidature

माननीय न्यायालय द्वारा पारित उक्त आदेश के क्रम में प्रस्तुत रिव्यू पिटीशन डायरी नम्बर 53434/2025 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी उत्तीर्ण करने हेतु समयावधि 2 वर्ष से 3 वर्ष कर दी गई, पारित आदेश का आपरेटिव्ह पैरा निम्नानुसार है :-

Appreciating that the TET examination must be conducted by the relevant authorities expeditiously as well as the time and resources required for the same are limited, we alter and extend the timeline granted in paragraph 217 of Anjuman (supra) for in-service teachers to acquire the TET qualification from 2 (two) to 3 (three) years, ie., the qualification has to be obtained by 31st August, 2028 instead of 31st August, 2027, as originally directed.

माननीय न्यायालय द्वारा पारित उपरोक्त आदेशों के अनुसार ऐसे शिक्षक जो प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के हैं, को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत दिनांक 31 अगस्त 2028 के पूर्व पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। उक्त के क्रम में प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है।

1. इस परीक्षा में समस्त शासकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तर के ऐसे सभी शिक्षक (सहायक शिक्षक / प्राथमिक शिक्षक सहायक अध्यापक / संविदा शाला शिक्षक वर्ग 3 / प्रयोगशाला सहायक / प्राथमिक शिक्षक विज्ञान / सहायक शिक्षक विज्ञान) सम्मिलित हो सकेंगे, जिनके द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार आयोजित पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है। इसके अतिरिक्त अशासकीय विद्यालयों में प्राथमिक कक्षाओ में अध्यापन करने वाले ऐसे शिक्षक जो पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं है, भी सम्मिलित हो सकेंगे।

2. यह पात्रता परीक्षा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम में सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष पात्रता परीक्षा के रूप में आयोजित की जा रही है। अतः इसकी पात्रता/परीक्षा परिणाम, भविष्य में शासकीय शिक्षक के पद पर सीधी भर्ती से नियुक्ति के लिए मान्य नहीं होगा।

3. परीक्षा केन्द्र - कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा निर्धारित होंगे।

4. शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्ह होने के लिये प्रवर्गवार न्यूनतम अंकों का प्रतिशत निम्नलिखित अनुसार होगा :-

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग दिव्यांग व्यक्ति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (1)	अन्य (2)
50%	60%

5. परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम पृथक से संलग्न है।

अपर संचालक
लोक शिक्षण म. प्र.

अपर संचालक
जनजातीय कार्य, म. प्र.

प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (सेवारत शिक्षकों हेतु) - 2026 हेतु

परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा योजना (Scheme of Exam)

1. पात्रता परीक्षा हेतु 150 अंकों का एक प्रश्न पत्र होगा। परीक्षा की अवधि 2.30 घंटे होगी।
2. प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा।
3. पात्रता परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे और एक विकल्प सही होगा।
4. परीक्षा की संरचना एवं विषयवस्तु (Structure and Content) निम्नानुसार होगी-

भाग	विषयवस्तु (सभी अनिवार्य)	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
i	बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र (Child Development & (Pedagogy)	30	30
ii	भाषा-1 (Language-1)	30	30
iii	भाषा-2 (Language-ii)	30	30
iv	गणित (Mathematics)	30	30
v	पर्यावरण अध्ययन (Environmental Study)	30	30
	कुल	150	150

5. प्रश्नों की प्रकृति एवं स्तर (Nature and Standard of Questions) निम्नानुसार होगा-

i. बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र के प्रश्न 6-11 वर्ष आयु समूह के शिक्षण एवं सीखने के शैक्षिक मनोविज्ञान पर आधारित होंगे, जो विशिष्टताओं की समझ, आवश्यकता, विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थियों का मनोविज्ञान, शिक्षार्थी के साथ संवाद और सिखाने हेतु अच्छे फेसिलिटेटर की विशेषताएं एवं गुणों पर आधारित होंगे।

ii. भाषा-1 के प्रश्न आवेदन पत्र में चुनी गई भाषा के माध्यम में कुशलता (Proficiency) पर आधारित होंगे।

iii. भाषा-2, भाषा-1 से पृथक होगी। आवेदक आवेदन पत्र में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत व उर्दू में से कोई भी भाषा चुन सकेंगे और आवेदन पत्र में चुनी गई भाषा के प्रश्न ही हल कर सकेंगे। भाषा-2 के प्रश्न भाषा के तत्व, संप्रेषण और समझने की क्षमताओं पर आधारित होंगे।

iv. गणित एवं पर्यावरण अध्ययन के प्रश्न विषय की अवधारणा, समस्या समाधान और शिक्षा शास्त्र (Pedagogy) की समझ पर आधारित होंगे।

6. प्रश्न पत्र में प्रश्न म.प्र. राज्य के कक्षा 1 से 5 के प्रचलित पाठ्यक्रम/पाठ्यपुस्तकों के टॉपिक्स पर आधारित होंगे, लेकिन इनका कठिनाई स्तर एवं सम्बद्धता हाईस्कूल स्तर तक की हो सकती है।
7. उक्त का विस्तृत पाठ्यक्रम आगे दिया गया है -

विस्तृत पाठ्यक्रम

बाल विकास एवं शिक्षाशास्त्र (child Development & Pedagogy)	30 प्रश्न

(अ) बाल विकास	15 प्रश्न

- बाल विकास की अवधारणा एवं इसका अधिगम से संबंध ।
- विकास और विकास को प्रभावित करने वाले कारक।
- बाल विकास के सिद्धांत।
- बालकों का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी समस्याएं।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव।
- समाजीकरण प्रक्रियाएं : सामाजिक जगत एवं बच्चे (शिक्षक, अभिभावक, साथी)
- पियाजे, पावलव, कोहलर और थार्नडाइक: रचना एवं आलोचनात्मक स्वरूप।
- बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा ।
- बुद्धि की रचना का आलोचनात्मक स्वरूप और उसका मापन, बहुआयामी बुद्धि।
- व्यक्तित्व और उसका मापन।
- भाषा और विचार।
- सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर, जेंडर की भूमिका, लिंगभेद और शैक्षिक प्रथाएं।
- अधिगम कर्ताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, संप्रदाय, धर्म आदि की विषमताओं पर आधारित भिन्नताओं की समझ।
- अधिगम के लिए आकलन और अधिगम का आकलन में अंतर शाला आधारित आकलन, सतत एवं समग्र मूल्यांकन: स्वरूप और प्रथाएं (मान्यताएं)
- अधिगमकर्ताओं की तैयारी के स्तर के आकलन हेतु उपयुक्त प्रश्नों का निर्माण, कक्षाकक्ष में अधिगम को बढ़ाने आलोचनात्मक चिंतन तथा अधिगमकर्ता की उपलब्धि के आकलन के लिए।

(ब) समावेशित शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ	5 प्रश्न

- अलाभान्वित, एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ताओं की पहचान।
- अधिगम कठिनाइयों, 'क्षति' आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान।
- प्रतिभावान, सृजनात्मक, विशेष क्षमता वाले अधिगमकर्ताओं की पहचान।
- समस्याग्रस्त बालकः पहचान एवं निदानात्मक पक्ष ।
- बाल अपराधः कारण एवं प्रकार

(स) अधिगम और शिक्षा शास्त्र (पेडागाजी)	10 प्रश्न

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, बच्चे शाला प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में क्यों और कैसे असफल होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की मूलभूत प्रक्रियाएं, बच्चों के अधिगम की रणनीतियां, अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।
- समस्या समाधानकर्ता और वैज्ञानिक-अन्वेषक के रूप में बच्चा ।
- बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक धारणाएं, बच्चों की त्रुटियों को अधिगम प्रक्रिया में सार्थक कड़ी के रूप में समझना । अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकः अवधान और रुचि ।
- संज्ञान और संवेग
- अभिप्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक - व्यक्तिगत और पर्यावरणीय
- निर्देशन एवं परामर्श
- अभिक्षमता और उसका मापन
- स्मृति और विस्मृति

हिन्दी भाषा (Hindi Language)	30 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध	15 प्रश्न

भाषायी समझ/ अवबोध के लिए दो अपठित दिए जायेंगे, जिसमें एक गद्यांश (नाटक/एकांकी /घटना/निबंध/कहानी/आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में होगा, इस अपठित में से समझ/अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जायेगें। गद्यांश साहित्यिक/ वैज्ञानिक/सामाजिक समरसता/ तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

(ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षा शास्त्र	15 प्रश्न

- भाषा सीखना और ग्रहणशीलता ।
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त ।
- भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं।
- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका ।
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियों, कठिनाइयाँ त्रुटियाँ एवं क्रमबद्धता
- भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का मूल्यांकन ।
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य) सामग्री, बहुकक्षा शोत ।
- पुनः शिक्षण ।

अंग्रेजी भाषा (English Language)	30 प्रश्न

a. Comprehension	15 Questions

Two unseen prose passages (discursive or literary or narrative or scientific) with questions on comprehension, grammar and verbal ability.

b. Pedagogy of language development	15 questions

- Learning and acquisition of language
- Principles of second language teaching
- Language skills-listening, speaking, reading, writing
- Role of listening and speaking, function of language and how children use it as a tool
- The role of grammar in learning a language for communicating ideas verbally and in written form
- Challenges of teaching language in a diverse classroom, language difficulties
- Teaching learning materials, text book, multi-media materials multi-lingual resource of the classroom
- Evaluating language comprehension and proficiency: listening, speaking, reading and writing
- Remedial teaching (Re-teaching)

संस्कृत भाषा (Sanskrit Language)	30 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध	15 प्रश्न

भाषायी समझ/ अवबोध के लिए दो अपठित दिए जायेगें जिसमें एक गद्यांश (नाट्यांश/निबंध/कथा आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में होगा, इन अपठित में से समझ/अवबोध, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जायेगें। गद्यांश साहित्यिक/सामाजिक समरसता/तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकता हैं।

(ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षा शास्त्र	15 प्रश्न

- भाषा सीखना और ग्रहणशीलता ।
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त ।
- भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं।
- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका ।
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियाँ, कठिनाइयाँ, त्रुटियाँ एवं क्रमबद्धता ।
- भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना) का मूल्यांकन।
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री, पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य) सामग्री, बहुकक्षा स्रोत|

- पुनः शिक्षण

उर्दू भाषा (Urdu Language)	30 प्रश्न

1. जामे सलाहियत पर मबनी सवालात	15 सवालात

- दो गेर दरसी इक्तिबासात (मालूमाती/अदबी/बयानिया/साइंसी)
- सलाहियत पर मबनी सवालात, कवायद, और ज़बानी सलाहियत पर मबनी सवालात

2. ज़बान के नशवोनुमा और तदरीसी तरीके	15 सवालात

- सीखना और यादरखना।
- ज़बान की तदरीस के अमूल।
- ज़बान में सुनने और बोलने की एहमियत, ज़बान का काम और बच्चों के जरिए जुबान की महारतों का इस्तेमाल।
- ज़बान सीखने और खयालात का ज़बानी और तहरीरी इज़हार करने में कवायद (ग्रामर) के रोल का तनक़ीदी जायज़ा।
- क्लास रुम में मुखतलिफ तालीमी इस्तेदाद वाले बच्चों की ज़बान की मुश्किलात, गल्तियों और बेतरतीबियों के चैलेंज को कुबूल करते हुए ज़बान पढ़ाना।
- ज़बान की महारतें।
- ज़बान की सलाहियत और ज़बान पर उबूर के तजज़िए के लिए बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना।
- तालीमी इम्दादी अशिया (TLM) दरसी कुतुब और मल्टी मीडिया मेटीरियल, क्लास रुम में मुहैया मुखतलिफ ज़बानों का मवाद।
- तदारकी तदरीस।

निसाबी मोजूआत

- असनाफे नस्त्र - कहानी, मालूमाती मज़ामीन, ड्रामा, मकालमा
- असनाफे नज्म नज्म, गीत
- ग्रामर -इस्म, ज़मीर, फ्रेअल, सिफ़त, मेय क़िस्में जिंस, जमाना, जुम्ले व मुहावरे, वाहिदजमा, मुज़क्कर, मोअन्नस, तज़ाद, नज्म गीत वगेरह की तारीफ
- ख़तूत और दरख़्वास्त नवीसी
- गैर दरसी इक्तिबास
- मज़मून नवीसी

गणित (Mathematics)	30 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (Content)	15 प्रश्न

- संख्या पद्धति 1000 से बड़ी संख्याओं को पढ़ना व लिखना, 1000 से बडी संख्याओं पर स्थानीय मान की समझ व चार मूलभूत संक्रियाएँ ।
- जोड़ना व घटाना-पाँच अंकों तक की संख्याओं का जोड़ना व घटाना ।
- गुणा- 2 या 3 अंकों की संख्याओं का गुणा करना ।
- भाग- दो अंकों वाली संख्या से चार अंकों वाली संख्या में भाग देना।
- भिन्न-भिन्न की अवधारणा, सरलतम रूप, समभिन्न, विषम भिन्न आदि भिन्नों का जोड़ना, घटाना, गुणा व भाग, समतुल्य भिन्न, भिन्न को दशमलव मे तथा दशमलव संख्या को भिन्न में लिखना।
- सामान्यतः प्रयोग होने वाली लंबाई, भार, आयतन की बड़ी व छोटी इकाई में संबंध ।
- बड़ी इकाइयों को छोटी इकाइयों में तथा छोटी इकाइयों को बड़ी इकाइयों में बदलना
- ज्ञात इकाइयों में किसी ठोस वस्तु का आयतन ज्ञात करना ।
- पैसा, लंबाई, भार, आयतन तथा समय अंतराल से संबंधित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग करना ।
- मीटर को सेंटीमीटर एवं सेंटीमीटर को मीटर मे बदलना ।
- पैटर्न- संख्याओं से संबंधित पैटर्न को समझ आगे बढ़ाना, पैटर्न तैयार कर उसका संक्रियाओं के आधार पर सामान्यीकरण, त्रिभुजीय संख्याओं तथा वर्ग संख्याओं के पैटर्न पहचानना।
- ज्यामिति- मूल ज्यामितीय अवधारणायें, किरण, रेखाखण्ड, कोण (कोणों का वर्गीकरण), त्रिभुज, त्रिभुजों का वर्गीकरण (1) भुजाओं के आधार पर (2) कोणों के आधार त्रिभुज के तीनों कोणों का योग 180° होता है।
- वृत्त के केंद्र, त्रिज्या तथा व्यास की पहचान व समझ |
- वृत्त, त्रिज्या व व्यास में परस्पर संबंध, सममित आकृति, परिवेश आधार पर समानान्तर रेखा व लम्बवत रेखा की समझ ।
- सरल ज्यामितीय आकृतियों (त्रिभुज, आयत, वर्ग) का क्षेत्रफल तथा परिमाप दी गई आकृति को इकाई मानकर ज्ञात करना ।
- परिवेश की 2D आकृतियों की पहचान |
- दैनिक जीवन से संबंधित विभिन्न आकड़ों को एकत्र करना ।
- घड़ी के समय को घंटे तथा मिनिट में पढ़ना तथा AM और PM के रूप में व्यक्त करना
- 24 घंटे की घड़ी का 12 घंटे की घड़ी से संबंध
- दैनिक जीवन की घटनाओं में लगने वाले समय अंतराल की गणना |
- गुणा तथा भाग में पैटर्न की पहचान ।
- सममिति पर आधारित ज्यामिति पैटर्न |

- दण्ड आलेख के माध्यम से प्रदर्शित कर उससे निष्कर्ष निकालना |

(ब) शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-	15 प्रश्न

- गणित शिक्षण द्वारा चिन्तन एवं तर्कशक्ति का विकास करना।
- पाठ्यक्रम में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना
- मूल्यांकन की नवीन विधियाँ, निदानात्मक परीक्षण व पुनः शिक्षण की क्षमता का विकास करना।
- गणित शिक्षण की नवीन विधियों का कक्षा शिक्षण में उपयोग करने की क्षमता

पर्यावरण अध्ययन (Environmental Study)	30 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (Content)	20 प्रश्न

1. हमारा परिवार, हमारे मित्र-

- परिवार और समाज से सहसंबंध - परिवार के बड़े-बूढ़े, बीमार, किशोर, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की देखभाल और उनके प्रति हमारी संवेदनशीलता ।
- हमारे पशु, पक्षी- हमारे पालतू पशु-पक्षी, माल वाहक पशु, हमारे आस-पास के परिवेश में जीव-जन्तु एवं जानवरों पर प्रदूषण का प्रभाव ।
- हमारे पेड़-पौधे -स्थानीय पेड़-पौधे, पेड़-पौधों एवं मनुष्यों की अन्तःनिर्भरता, वनों की सुरक्षा और उनकी आवश्यकता और महत्त्व, पेड़-पौधों पर प्रदूषण का प्रभाव ।
- हमारे प्राकृतिक संसाधन - प्रमुख प्राकृतिक संसाधन, उनका संरक्षण, ऊर्जा के पारंपरिक और नवीनीकृत एवं अनवीनीकृत स्त्रोत।

2. खेल एवं कार्य

- खेल, व्यायाम और योगासन।
- पारिवारिक उत्सव, विभिन्न मनोरंजन के साधन किताबें, कहानियाँ, कठपुतली प्ले, मेला सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं दिवसों को विद्यालय में मनाया जाना ।
- विभिन्न काम धंधे, उद्योग और व्यवसाय।

3. आवास

- पशु, पक्षी और मनुष्य के विभिन्न आवास, आवास की आवश्यकता और स्वस्थ जीवन के लिए आवास की विशेषताएँ।
- स्थानीय इमारतों की सुरक्षा, सार्वजनिक संपति, राष्ट्रीय धरोहर और उनकी देखभाल।

- उत्तम आवास और उसके निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, निर्माण सामग्री की गणना करना।
- शौचालय की स्वच्छता, परिवेश की साफ-सफाई और अच्छी आदतें ।

4. हमारा भोजन और आदतें

- भोजन की आवश्यकता, भोजन के घटक।
- फल एवं सब्जियों का महत्त्व, पौधों के अंगों के अनुसार फल, सब्जियॉ ।
- भोज्य पदार्थों का स्वास्थ्य वर्धक संयोजन।
- विभिन्न प्रकार की आयु का भोजन और उनको ग्रहण करने का सही समय ।
- उत्तम स्वास्थ्य हेतु भोजन की स्वच्छता और सुरक्षा के उपाय।
- खाद्य संसाधनों की सुरक्षा

5. पानी और हवा प्रदूषण एवं संक्रमण

- जीवन के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छ हवा की आवश्यकता।
- स्थानीय मौसम, जल चक्र और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और जलवायु परिवर्तन में हमारी भूमिका ।
- पानी के स्रोत, उसके सुरक्षित रखरखाव और संरक्षण एवं पोषण के तरीके।
- संक्रमित वायु एवं पानी से होने वाले रोग, उनका उपचार और बचाव, अन्य संक्रामक रोग।
- हवा, पानी, भूमि का प्रदूषण और उससे सुरक्षा, विभिन्न अपशिष्ट पदार्थों और उनका प्रबंधन, उचित निस्तारण
- भूकंप, बाढ़, सूखा आदि आपदाओं से सुरक्षा और बचाव के उपाय, आपदा प्रबंधन
- प्राकृतिक संसाधनों का संपोषित प्रबंधन संसाधनों का उचित दोहन, डीजल, पेट्रोलियम खपत एवं संपोषण आदि।

6. प्राकृतिक वस्तुएं और उपज

- मिट्टी, पानी, बीज और फसल का संबंध, जैविक रासायनिक खाद।
- विभिन्न फसलें, उनके उत्पादक क्षेत्र।
- फसल उत्पादन के लिए आवश्यक कृषि कार्य और उपकरण

7. मानव निर्मित साधन एवं उसके क्रियाकलापों का प्रभाव

- वनों की कटाई और शहरीकरण, पारिस्थितिक संतुलन पर प्रभाव
- ओजोन क्षय, अम्लीय वर्षा, ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीन हाउस प्रभाव आदि के वैज्ञानिक कारण एवं निदान।
- पालिथिन, प्लास्टिक का उपयोग और उनका अपघटक अपमार्जक
- जीवाश्म ईंधन के प्रयोग के प्रभाव।

- आपदा प्रबंधन

8. अंतरिक्ष विज्ञान

- अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का परिचय, उनके अंतरिक्ष में जीवन बिताने के अनुभव।
- अंतरिक्ष जीवन के वैज्ञानिक तथ्य, जीवन की संभावनायें।
- अंतरिक्ष यान, अंतरिक्ष खोजें एवं भविष्यवाणियां ।

(ब) पेडागॉजिकल मुद्दे	10 प्रश्न

- पर्यावरण अध्ययन की अवधारणा और उसकी आवश्यकता।
- पर्यावरण अध्ययन का महत्त्व, समेकित पर्यावरणीय शिक्षा ।
- पर्यावरणीय शिक्षा के सूत्र एवं दायित्व ।
- पर्यावरणीय शिक्षा का विज्ञान और सामाजिक विज्ञान से सहसंबंध।
- अवधारणाओं के स्पष्टीकरण हेतु प्रविधियाँ और गतिविधियाँ।
- परिवेशीय भ्रमण, प्रयोगात्मक कार्य, प्रोजेक्ट कार्य और उनका महत्त्व।
- चर्चा, परिचर्चा, प्रस्तुतीकरण और समूह शिक्षण व्यवस्था से सीखना।
- सतत-व्यापक मूल्यांकन - शिक्षण के दौरान प्रश्न पूछना, मुखर और लिखित अभिव्यक्ति के अवसर देना, वर्कशीट्स एवं एनेक्डॉटल रिकार्ड का प्रयोग, बच्चे की पोर्टफोलियो का विकास करना, केस स्टडी और व्यक्तिगत प्रोफाईल से शिक्षण व्यवस्थाएँ।
- पर्यावरणीय शिक्षा में शिक्षण सामग्री /सहायक सामग्री और उसका अनुप्रयोग।
- स्थानीय परिवेश की पर्यावरणीय समस्याएँ और उनके समाधान खोजने की क्षमता का विकास।

अपर संचालक
लोक शिक्षण म.प्र.

--00--

अध्याय-02

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (सेवारत शिक्षकों हेतु) नियमपुस्तिका एवं पाठ्यक्रम

माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविल अपील 1385/2025, 1386/2025 तथा अन्य समरूप याचिकाओं में पारित आदेश दिनांक 1 सितम्बर 2025 के अनुसार प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं में पढ़ाने वाले ऐसे शिक्षक जिन्होंने पूर्व में पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है, उन्हे पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश का आपरेटिव्ह पैरा निम्नानुसार :-

216. Bearing in mind their predicament, we invoke our powers under Article 142 of the Constitution of India and direct that those teachers who have less than five years' service left, as on date, may continue in service till they attain the age of superannuation without qualifying the TET. However, we make it clear that if any such teacher (having less than five years' service left) aspires for promotion, he will not be considered eligible without he/she having qualified the TET.

217. Insofar as in-service teachers recruited prior to enactment of the RTE Act and having more than 5 years to retire on superannuation are concerned, they shall be under an obligation to qualify the TET within 2 years from date in order to continue in service. If any of such teachers fail to qualify the TET within the time that we have allowed, they shall have to quit service. They may be compulsorily retired, and paid whatever terminal benefits they are entitled to. We add a rider that to qualify for the terminal benefits, such teachers must have put in the qualifying period of service, in accordance with the rules. If any teacher has not put in the qualifying service and there is some deficiency, his/her case may be considered by the appropriate department in the Government upon a representation being made by him/her.

218. Subject to what we have said above, it is reiterated that those aspiring for appointment and those in-service teachers aspiring for appointment by promation must, however, qualify the TET, or else, they would have no right of consideration of their candidature

माननीय न्यायालय द्वारा पारित उक्त आदेश के क्रम में प्रस्तुत रिव्यू पिटीशन डायरी नम्बर 53434/2025 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टीईटी उत्तीर्ण करने हेतु समयावधि 2 वर्ष से 3 वर्ष कर दी गई, पारित आदेश का आपरेटिव्ह पैरा निम्नानुसार है :-

Appreciating that the TET examination must be conducted by the relevant authorities expeditiously as well as the time and resources required for the same are limited, we alter and extend the timeline granted in paragraph 217 of Anjuman (supra) for in-service teachers to acquire the TET qualification from 2 (two) to 3 (three) years, ie., the qualification has to be obtained by 31st August, 2028 instead of 31st August, 2027, as originally directed.

माननीय न्यायालय द्वारा पारित उपरोक्त आदेशों के अनुसार ऐसे शिक्षक जो प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के है, को शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत दिनांक 31 अगस्त 2028 के पूर्व पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। उक्त के क्रम में प्राथमिक स्तर के शिक्षकों की पात्रता परीक्षा आयोजित की जा रही है।

1. इस परीक्षा में समस्त शासकीय विद्यालयों के माध्यमिक स्तर के ऐसे सभी शिक्षक (शिक्षक/ माध्यमिक शिक्षक / अध्यापक संविदा शाला शिक्षक वर्ग 2) सम्मिलित हो सकेंगे, जिनके द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार आयोजित पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है। इसके अतिरिक्त अशासकीय विद्यालयों में माध्यमिक कक्षाओं में अध्यापन करने वाले ऐसे शिक्षक, जो पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण नहीं है, भी सम्मिलित हो सकेंगे।

2. यह पात्रता परीक्षा माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के अनुक्रम में सेवारत शिक्षकों के लिए विशेष पात्रता परीक्षा के रूप में आयोजित की जा रही है। अतः इसकी पात्रता/परीक्षा परिणाम, भविष्य में शासकीय शिक्षक के पद पर सीधी भर्ती से नियुक्ति के लिए मान्य नहीं होगा।

3. परीक्षा केन्द्र - कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा निर्धारित होंगे।

4. शिक्षक पात्रता परीक्षा में अर्ह होने के लिये प्रवर्गवार न्यूनतम अंकों का प्रतिशत निम्नलिखित अनुसार होगा :-

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग दिव्यांग व्यक्ति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (1)	अन्य (2)
50%	60%

5. परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम पृथक से संलग्न है।

अपर संचालक
लोक शिक्षण म. प्र.

अपर संचालक
जनजातीय कार्य, म. प्र.

परीक्षा की योजना एवं पाठ्यक्रम- माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (सेवारत शिक्षकों हेतु)

1. सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे ।
2. पात्रता परीक्षा हेतु 150 अंकों का एक प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा की अवधि 2:30 घंटे होगी।
3. पात्रता परीक्षा के सभी प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) प्रकार के होंगे, जिनके चार विकल्प होंगे एक विकल्प सही होगा।
4. **प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। ऋणात्मक मूल्यांकन नहीं होगा।**
5. प्रश्नपत्र के दो भाग होंगे। भाग अ एवं भाग ब । भाग अ, सभी के लिए अनिवार्य होगा भाग ब के अंतर्गत शामिल विषयो मे से किसी एक विषय का चयन करना होगा ।
6. भाग अ के 4 खंड होंगे जिनमें अंकों का अधिभार निम्नानुसार होगा-

भाग	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
(i)	भाषा-1 (Language-I) (हिन्दी, Hindi / संस्कृत Sanskrit)	08 MCQ	08 Marks
(ii)	भाषा-2- सामान्य अंग्रेजी	05 MCQ	05 Marks
(iii)	सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम , तार्किक एवं आंकिक योग्यता	07 MCQ	07 Marks
(iv)	शिक्षाशास्त्र (Pedagogy)	10 MCQ	10 Marks
	कुल	30 MCQ	30 Marks

7. भाग ब- 120 अंक का होगा एवं इस प्रश्नपत्र में 120 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्नपत्र के अंतर्गत 7 विषय नीचे तालिका में दिए अनुसार होंगे, जिसमें से अभ्यर्थी अपने स्नातक उपाधि के मुख्य विषय में ही परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगा।

क्र.	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
1	हिन्दी भाषा	120 प्रश्न	120 अंक
2	अंग्रेजी भाषा	120 प्रश्न	120 अंक
3	संस्कृत भाषा	120 प्रश्न	120 अंक
4	उर्दू भाषा	120 प्रश्न	120 अंक
5	गणित	120 प्रश्न	120 अंक
6	विज्ञान	120 प्रश्न	120 अंक

क्र.	विषयवस्तु	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक
7	सामाजिक विज्ञान	120 प्रश्न	120 अंक

8. विषयवस्तु का स्तर

- प्रश्नपत्र के भाग अ में सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम, तार्किक एवं आंकिक योग्यता, पेडागाजी की विषयवस्तु का स्तर हायरसेकेण्डरी स्कूल स्तर के छात्र के मानसिक स्तर के समकक्ष होगा । हिन्दी व अंग्रेजी की विषयवस्तु का स्तर हायरसेकेण्डरी स्कूल परीक्षा के समकक्ष होगा।
- प्रश्नपत्र के भाग ब की विषयवस्तु का स्तर स्नातक स्तर के समकक्ष होगा। इस प्रश्नपत्र में प्रश्न म.प्र. राज्य के कक्षा 9 एवं 10 के प्रचलित पाठ्यक्रम की विषयवस्तु पर आधारित होगें लेकिन इनका कठिनाई स्तर एवं संबद्धता (लिंकेज) स्नातक स्तर का होगा । प्रश्नपत्र की अवधारणा, समस्या समाधान और पेडागाजी की समझ पर आधारित होंगे।

अपर संचालक
लोक शिक्षण म.प्र.

विस्तृत पाठ्यक्रम

हिन्दी भाषा (Hindi Language)/ संस्कृत	8 प्रश्न

भाषायी समझ अवबोध-

भाषायी समझ / अवबोध के लिए दो अपठित दिए जायेंगे जिसमें एक गद्यांश (नाटक एकांकी / घटना/ निबंध / कहानी / आदि से) तथा दूसरा अपठित पद्य के रूप में होगा। इस अपठित में से समझ / अवबोध, व्याख्या, व्याकरण एवं मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न किए जायेंगे । गद्यांश साहित्यिक/ वैज्ञानिक/ सामाजिक समरसता/ तात्कालिक घटनाओं पर आधारित हो सकते हैं।

अंग्रेजी भाषा (English Language)	5 प्रश्न

1. Reading Comprehension
   - Two short passages followed by short answer type questions.
2. Vocabulary
   (Level-X standard)
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms
   - phrases
   - idioms/proverbs
3. Functional Grammar:
   (Level-X standard)
   - Articles
   - Modals
   - Determiners
   - Noun/ Pronoun
   - Adjective/Adverb
   - Narration
   - Prepositions
   - Tenses
   - Transformation of sentences
   - Voices

सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम, तार्किक एवं आंकिक योग्यता	7 प्रश्न

सामान्य ज्ञान व समसामयिक घटनाक्रम (General Knowledge & Current Affairs) समसामयिक मामले / राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्व की घटनाएं, भारत का इतिहास व भारत के राष्ट्रीय आंदोलन, भारतीय व संसार का भूगोल भारत व संसार का भौतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल आदि, भारतीय राजनीति व शासन तंत्र-संविधान, राजनीतिक तंत्र, पंचायतीराज, सार्वजनिक मुद्दे, धाराएं व अधिकार आदि। **आर्थिक व सामाजिक विकास - सतत विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक**

क्षेत्रों में पहले आदि। पर्यावरण, पारिस्थितिकी, जैवविविधता, मौसम में बदलाव, सामान्य विज्ञान आधारित सामान्य मुद्दे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय खेलकूद, मध्यप्रदेश का इतिहास, भूगोल व राजनीति। मध्यप्रदेश का आर्थिक व सामाजिक विकास।

Current Affairs/events of national and international Importance, History of India and Indian National Movements, Indian and World Geography- Physical, Social, Economic geography of India and the World etc. Indian Polity and Governance Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Issues, Articles, Rights etc. Economic and Social development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc- General issues on Environment, Ecology, Biodiversity, Climate change, General science- Indian culture, national and international, sports, History, geography, and political science of Madhya Pradesh, economic and social development of Madhya Pradesh.

2. तार्किक एवं आंकिक योग्यता Reasoning and Numerical Ability

अ. तार्किक योग्यता- सामान्य मानसिक व विश्लेषणात्मक योग्यता, शाब्दिक / तर्कयुक्त रीजनिंग, संबंध व पदानुक्रम, एनालॉजी, दावा, सत्य कथन, कोडिंग व डिकोडिंग, स्थिति जन्य तर्क, श्रृंखलाव पैटर्न जिसमें शब्द और वर्ण शामिल हो।

ब. आंकिक योग्यता दो एवं तीन आयामी वेन आरेख आधारित प्रश्न संख्या पैटर्न, श्रंखला अनुक्रम, संख्याओं संबंधी आधारभूत ज्ञान (संख्याएं और उनके संबंध, परिमाण का क्रम आदि), अंकगणितीय अभिवृति, आंकड़ों की व्याख्या (आलेख, ग्राफ, तालिका, आंकड़ों की पर्याप्तता, आदि), विभिन्न संदर्भों में दिशा ज्ञान, विश्लेषण व व्याख्या ।

A) Reasoning Ability - General Mental/ Analytical Ability, Verbal / Logical reasoning, Relations & Hierarchies, Analogies, Assertion, Truth Statements, Coding & Decoding, Situational Reasoning, Series & Patterns involving words & Alphabets.

B) Numerical ability – Two and Three dimensional/ Venn diagrams based questions, number patterns series sequences, basic numeracy (numbers and their relations, order of magnitude etc.), Arithmetic aptitude data interpretation (Charts, Graphs or Tables data sufficiency etc.), Direction sense, Analysis and interpretation in various contexts.

बाल विकास एवं शिक्षा शास्त्र - 10 प्रश्न

- बाल विकास की अवधारणा एवं इसका अधिगम से संबंध ।
- विकास और विकास को प्रभावित करने वाले कारक ।
- बाल विकास के सिद्धांत।
- बालक का मानसिक स्वास्थ्य एवं व्यवहार संबंधी समस्याएं।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव।
- समाजीकरण प्रक्रियाएं सामाजिक जगत एवं बच्चे (शिक्षक, अभिभावक, साथी)
  - पियाजे, पावलव, कोहलर और थार्नडाइकः रचना एवं आलोचनात्मक स्वरूप।
  - बाल केन्द्रित एवं प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा ।
  - बुद्धि की रचना का आलोचनात्मक स्वरूप और उसका मापन, बहुआयामी बुद्धि।

- व्यक्तित्व और उसका मापन।
- भाषा और विचार।
- सामाजिक निर्माण के रूप में जेंडर, जेंडर की भूमिका, लिंगभेद और शैक्षिक प्रथाएं।
- अधिगम कर्ताओं में व्यक्तिगत भिन्नताएं, भाषा, जाति, लिंग, संप्रदाय, धर्म आदि की विषमताओं पर आधारित भिन्नताओं की समझ ।
- अधिगम के लिए आकलन और अधिगम का आकलन में अंतर, शाला आधारित आकलन, सतत एवं समग्र मूल्यांकनः स्वरुप और प्रथाएं (मान्यताएं)

अधिगम और शिक्षा शास्त्र (पेडागाजी)

- बच्चे कैसे सोचते और सीखते हैं, बच्चे शाला प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में क्यों और कैसे असफल होते हैं।
- शिक्षण और अधिगम की मूलभूत प्रक्रियाए, बच्चों के अधिगम की रणनीतियाँ, अधिगम एक सामाजिक प्रक्रिया के रूप में, अधिगम का सामाजिक संदर्भ।
- समस्या समाधानकर्ता और वैज्ञानिक- अन्वेषक के रूप में बच्चा । बच्चों में अधिगम की वैकल्पिक धारणाएं, बच्चों की त्रुटियों को अधिगम प्रक्रिया में सार्थक कड़ी के रूप में समझना। अधिगम को प्रभावित करने वाले कारकः अवधान और रुचि ।
- संज्ञान और संवेग
- अभिप्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक व्यक्तिगत और पर्यावरणीय
- निर्देशन एवं परामर्श
- अभिक्षमता और उसका मापन) स्मृति और विस्मृति

समावेशित शिक्षा की अवधारणा एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समझ

- अलाभान्वित एवं वंचित वर्गों सहित विविध पृष्ठभूमियों के अधिगमकर्ताओं की पहचान
- अधिगम कठिनाइयों, क्षति आदि से ग्रस्त बच्चों की आवश्यकताओं की पहचान ।
- प्रतिभावान, सृजनात्मक, विशेष क्षमता वाले अधिगतकर्त्ताओं की पहचान।
- समस्याग्रस्त बालकः पहचान एवं निदानात्मक पक्ष ।
- बाल अपराध- कारण एवं प्रकार

गणित (Mathematics)	120 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (content)

1. संख्या पद्धति-
   - प्राकृत संख्या, पूर्ण संख्या एवं पूर्णांक की पहचान एवं समझ युक्ति विभाजन प्रमेयिका
   - परिमेय संख्या की समझ एवं इन पर संक्रियाएँ, अपरिमेय संख्याए
   - घातांक एवं परिमेय घातांको के लिए घातांक के नियमों का अनुप्रयोग
   - बहुपद एवं परिमेय व्यंजक
2. बीजगणित-
   - बीजीय व्यंजक एवं इन पर संक्रियाएँ
   - अनुपात समानुपात, एकिक नियम, प्रतिशत, अनुक्रमानुपाती तथा व्युत्क्रमानुपाती विचरण,चक्रवृद्धि ब्याज
   - अनुपात समानुपात, किस्त, लघुगणक
   - एक चर राशि का एक घातीय समीकरण
   - दो चर राशियों का रैखिक समीकरण, रैखिक समीकरण को हल करने की बीजगणितीय विधि
3. ज्यामिति-
   - मूल ज्यामितीय अवधारणाएँ क्षेत्रफल
   - त्रिभुज के गुणधर्म, पाइथागोरस प्रमेय
   - कोण
   - सममिति की अवधारणा
   - वृत
   - समरूप त्रिभुज
4. त्रकोणमिति
5. त्रिकोणमिति का परिचय एवं अनुप्रयोग
5. रचनाएँ-
   - त्रिभुज की रचना रेखाखंड का विभाजन
   - चतुर्भुज की रचना
6. क्षेत्रमिति-
   - आयाताकार पथ का क्षेत्रफल
   - पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन
   - वृत का क्षेत्रफल द्विघात समीकरण , समांतर श्रेणियाँ
7. सांख्यिकी
   - दण्ड आलेख
   - आयात चित्र

- माध्य, माध्यिका, बहुलक की गणना
- आवृति संचयी आवृति वृत चित्र, आवृति बहुभुज खीचना

8. ब्रह्माण्ड
9. मापन- समय, ताप, लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन द्रव्यमान का मापन।
10. पदार्थ-पदार्थ की अवस्थाएँ, पदार्थ के गुण, पदार्थों की पृथक्करण की विधियाँ, धातु-अधातु, अणु परमाणु, तत्व, यौगिक और मिश्रण, रासायनिक संकेत, सूत्र एवं समीकरण, अम्ल, क्षार, लवण एवं उनके गुण
11. बल, गति एवं दाब
12. कार्य ऊर्जा और मशीन
13. ताप एवं उष्मा

ब) शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-

- गणित शिक्षण द्वारा चिंतन एवं तर्कशक्ति का विकास
- पाठ्यक्रम में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- मूल्यांकन की नवीन विधियों तथा निदानात्मक परीक्षण एवं पुनः शिक्षण की क्षमता का विकास।

विज्ञान (science)	120 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु (content)

1. ब्रह्माण्ड
2. मापन- समय, ताप, लम्बाई, क्षेत्रफल, आयतन द्रव्यमान का मापन
3. पदार्थ पदार्थ की अवस्थाएँ, पदार्थ के गुण, पदार्थों की पृथक्करण की विधियाँ, धातु-अधातु, अणु परमाणु, तत्व, यौगिक और मिश्रण, रासायनिक संकेत, सूत्र एवं समीकरण, अम्ल, क्षार, लवण एवं उनके गुण
4. भोजन एवं स्वास्थ्य- भोजन के स्त्रोत, भोजन के घटक, भोज्य पदार्थों का संरक्षण, भोजन एवं स्वास्थ्य पादप एवं प्राणियों में संरचनात्मक संगठन
5. सजीव जगत- वर्गीकरण, संरचना, जैविक प्रक्रियाएँ अनुकूलन, जैव उत्पति मानव शरीर विज्ञान, शरीर क्रियात्मकता कोशिका, संरचना एवं कई अनुवांशिक तथा विकास
6. बल, गति एवं दाब
7. कार्य ऊर्जा और मशीन
8. ताप एवं उष्मा
9. हमारे आसपास का वातावरण भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, कार्बन-अपररूप, हाइड्रोकार्बन

10. प्राकृतिक घटनाएँ- प्रकाश, ध्वनि
11. वस्तुएँ कैसे काम करती है- चुम्बक, विदयुत एवं विद्युत धारा
12.प्राकृतिक संसाधन
13. खाद्य उत्पादन और प्रबंधन
14.पर्यावरण

ब) शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-

- विज्ञान के उद्देश्य
- वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना ।
- महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्यों और सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- विज्ञान संबंधी विभिन्न कौशलों का विकास करना।
- अवलोकन, प्रयोग करना, खोज।
- विज्ञान विषय संबंधी नवीनतम जानकारी प्रदान करना।
- प्रभावी शिक्षण हेतु परिवेश आधारित उपयुक्त शैक्षणिक सहायक सामग्री का निर्माण एवं उसका उपयोग करने की क्षमता का विकास करना।
- मूल्यांकन की नवीन विधियों तथा निदानात्मक परीक्षण एवं पुनः शिक्षण की क्षमता का विकास।

सामाजिक विज्ञान (Social Science)	120 प्रश्न

(अ) विषयवस्तु

- इतिहास
- इतिहास जानने के स्त्रोत, आदिमानव का विकास व पाषाणकाल हड़प्पा व वैदिककालीन सभ्यता, जैन व बौद्ध धर्म मौर्य, गुप्त व हर्षकाल, विदेशों से सम्पर्क व भारत के संबंध तथा सामाजिक व आर्थिक जीवन पर उसका प्रभाव।
- मध्यस्थतः का प्रारम्भ व इतिहास जानने के संगीत, मौहम्मद गौरी व मुहम्मद गजनवी के आक्रमण, दिल्ली सल्तनत- खिलजी वंश, तुगलक वंश व लोदी वंश के संदर्भ में, सल्तनतकालीन सामाजिक, धार्मिक व आर्थिक स्थिति। मुगलकाल का संक्षिप्त परिचय (प्रमुख शासक, सामाजिक, आर्थिक व धार्मिक जीवन तथा संगीत, चित्रकला व वास्तुकला) मुगलकाल का पतनः । विजयनगर एवं बहमनी साम्राज्य मराठा व सिक्ख शक्ति का उदय ।
- भारत में यूरोपीय व्यापारिक कम्पनियों का आगमन, सत्ता के लिए उनके आपसी संघर्ष ब्रिटिश कम्पनी की सफलता व साम्राज्य विस्तार, 1857 का स्वतंत्रता संग्रामा धार्मिक सामाजिक पुनर्जागरण भारतीय राष्ट्रीय कार्यस की स्थापना, उद्देश्य संघर्ष व महत्व, उदारवाद एवं अनुदारवाद, राष्ट्रीय आन्दोलन असहयोग, सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो आन्दोलन राष्ट्रीय आन्दोलन में क्रांतिकारियों का योगदाना स्वतंत्रता प्राप्ति एवं विभाजना स्वतंत्रता आन्दोलन में म.प्र. का योगदान।

- स्वातंत्रोतर भारत की प्रमुख घटनाए- कामीर समस्या, 1962 का चीन युद्ध, 1965 एवं 1971 का भारत पाक युद्ध, भारत में आपातकाल, भारत का अधिक शक्ति के रूप मे उदय
- नागरिक शास्त्र
- परिवार, समाज, समुदाय, राष्ट्रीय प्रतीक, स्थानीय स्वशासन (ग्रामीण व नगरीय संस्थाए)
- भारतीय संविधान विशेषताएँ नागरिक के मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, बाल एवं मानव अधिकार, मानव अधिकार आयोग संघीय व्यवस्थापिका लोकसभा, राज्य सभा, संघीय कार्यपालिका राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मंत्रि परिषद सर्वोच्च व उच्च न्यायालय गठन शक्तियाँ, (कार्य राज्य सरकार राज्यपाल एवं राज्य मंत्रिपरिषद निर्वाचन आयोग कार्य एवं शक्तियाँ निर्वाचन की क्रिया।
- प्रजातंत्र कार्यप्रणाली, प्रजातंत्र में राजनीतिक दलों का महत्व और कार्य
- प्रजातंत्र की प्रमुख चुनौतिया निरक्षरता, सम्प्रदायवाद क्षेत्रवाद बेरोजगारी आतंकवाद, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछडा वर्ग, संवैधानिक संरक्षण भारत की विदेश नीति व पड़ोसी देशों से संबंध, संयुक्त राष्ट्र और भारत का योगदान
- भूगोल
- सौरमंडल, अंक्षाश व देशान्तर रेखाएं, ग्लोब व मानचित्र
- स्थलमंडल पृथ्वी की गतियां ऋतु परिवर्तन परिवर्तनकारी बाहय व आन्तरिक शक्तियां व उनके कार्य। मृदा संरक्षण
- वायुमंडल वायुमंडल का संगठन, वायुदाब ।
- जलमंडल लहरे, धाराएं ज्वार-भाटा, वर्षा प्रमुख महासागर ।
- भारत स्थिति विस्तार, भौतिक संरचना, जलवायु, मृदा, प्राकृतिक वनस्पति, जीवजन्तु, खनिज एवं उद्योग शक्ति संसाधन प्रमुख फसले, परिवहन के साधन, जनसंख्या व उसका वितरण।
- समस्त महाद्वीप अक्षांशीय व देशान्तरीय विस्तार धरातलीय संरचना, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, जीवजन्तु, खनिज एवं उद्योग शक्ति संसाधन, प्रमुख फसले, परिवहन के साधन, प्रमुख देशा पर्यावरण प्रदूषण के कारण व उपाय, औदयोगिक अपशिष्ट व उसका प्रबंधन, आपदा प्रबंधन
- अर्थशास्त्र

आर्यकि विकास, भारत के समक्ष आर्थिक चुनौतियाँ आर्थिक प्रणाली एवं वैश्वीकरण मुद्रा एवं वित्तीय प्रणाली ।

पंचवर्षीय योजनाएँ एवं भारत का कृषि विकास। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खाद्यान्न सुरक्षा सेवा क्षेत्र, उपभोक्ता संरक्षण।

- (ब) शिक्षाशास्त्रीय मुद्दे-
- सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं अवधारणा
- कक्षागत प्रक्रियाएँ गतिविधियाँ एवं परिचर्चा।
- विवेचनात्मक चिंतन प्रक्रिया का विकास।

मुख्य भाषा हिन्दी (Hindi)	120 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध-

1. वाक्य बोध/ भाषा बोध-

- विराम चिन्ह और उनका अनुप्रयोग
- वाक्य रचना शुद्ध वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन वाक्य के प्रकार (रचना, अर्थ, वाच्य के आधार पर), वाक्य बोध।
- मुहावरे लोकोक्तियां और उनका वाक्यों में प्रयोग बोली, विभाषा, मातृभाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा

2. काव्य बोध-

- काव्य परिभाषा, काव्य भेद (प्रबंधकाव्य, मुक्तककाव्य), काव्य गुण
- शब्द शक्ति
- छंद- मात्रिक छंद, वर्णिक छंद, कुण्डलियाँ, घनाक्षरी, मन्दाक्रांता, छप्पय, कवित, सवैया (मतगयंद दुर्मिल)
- अलंकार- यमक, श्लेष, व्याजस्तुति, व्याजनिन्दा, विभावना, विशेषोक्ति, भ्रांतिमान, संदेह, विरोधाभास, अपहुती।
- रस परिचय, अंग, रसभेद ।

3. अपठित बोध-

गद्यांश/पद्यांश (शीर्षक, व्याख्या, सारांश)

4. निबंध लेखन-

सामाजिक, सांस्कृतिक, समसामयिक समस्याओं, विचारात्मक, भावात्मक, ललित विषयों पर निबंध लेखन।

5. पत्र लेखन-

औपचारिक, अनौपचारिक, सामयिक समस्याओं के समाधान हेतु एवं सम्पादक के नाम पत्र

6. हिन्दी साहित्य-

हिन्दी काव्य (पद्य) और उसका विकास

-पद्य साहित्य का विकास आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय सहित कवियों का साहित्यिक परिचय (रचनाएं, काव्यगत विशेषताएं, भावपक्ष, कलापक्ष)

- आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियां छायावाद, रहस्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नईकविता का सामान्य परिचय सहित कवियों का साहित्यिक परिचय (रचनाएं, काव्यगत विशेषताएं, भावपक्ष, कलापक्ष)

7. हिन्दी गद्य और उसका विकास

- गद्य साहित्य की विविध विधाएं (निबंध, नाटक, कहानी) और उनका सामान्य परिचय लेखक परिचय (रचनाएं, भाषाशैली)

((ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षा शास्त्र

- भाषा सीखना और ग्रहणशीलता
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त
- भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं • मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियाँ, कठिनाइयां त्रुटियां एवं क्रमबद्धता
- भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का मूल्यांकन
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य सामग्री, बहुकक्षा सोत, पुनः शिक्षण

मुख्य भाषा अंग्रेजी Main Language English	120 Questions

A) Understanding of Language

1. Reading Comprehension
   - Two passages (Factual+ Literary/Discursive) of 200 words each followed by short answer type questions.
   - A poem of about 15 lines followed by short questions related to figures of speech, forms of poetry.
   - Interpret tabular and diagrammatic presentation of information.
2. Vocabulary
   - One word substitution
   - Opposites
   - Synonyms
   - phrases
   - idioms/proverbs
   - word formation
3. Functional Grammar:
   1. Tenses
   2. Modals
   3. Determiners
   4. Articles
   5. Voices
   6. Narration
   7. Prepositions
   8. Clauses
   9. Transformation of sentences
4. Writing
   - A factual description (in about 40-50 words) of any event or incident e.g. a report or a process based on given input/advertisements and notices/designing or drafting posters.
   - Essay.
   - Writing letter/application based on given inputs. Letter types include:
     1. business or official letters
     2. letters to editors
     3. personal/informal letters
     4. application for a job

B) Pedagogy of Language Development

B.1 – Learning and acquisition - Need for Learning English - Objectives of teaching English - Qualities of a good language teacher - Methods and approaches (Grammar translation, Direct, bilingual, communicative, structural, integrated)

B.2 – Language skills - Listening, Speaking, Reading and Writing skills - Importance of listening and reading - Importance of speaking and writing

B.3 – Perspective and role of grammar in language learning - Parts of Speech - Punctuation marks - Framing questions - Vocabulary and word formation (synonym and antonym, homophones, one word substitution, changing word category).

B.4 – Challenges of teaching language - Planning and implementation (Teaching of Prose, grammar, composition, poetry)

B.5 – Evaluation - learning enhancement programme - Active learning Methodology - CCE - Remedial teaching

B.6 – Teaching learning materials - Textbook preparing exercises based on the textbooks - Multimedia materials (charts, flash cards, models, news paper cuttings, CD, Radio, Tape recorder)

मुख्य भाषा संस्कृत (Sanskrit)	120 प्रश्न

(अ) भाषायी समझ / अवबोध

1. व्याकरण

(क) शब्द रूप- राम, कवि, भानु, लता, पितृ, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मन् ।

सर्व, तद, एतद् यत् इदम् अस्मद् युष्मदा

(ख) धातु रूप- लट्, लृ, लोट्, लड., एवं विधिलिड. (पांच लकार)

(का) परस्मैपद (ख) आत्मनेपद

(ग) सन्धि- संधि और उसके प्रकार स्वर सधि व्यजंन संधि, विसर्ग संधि एवं उनके भेद, संधि विच्छेद एवं संधि युक्त पद बनाना।

(घ) समास- समास की परिभाषा, भेद, समास विग्रह, सामासिक पद ।

(ड) प्रत्यय- कृत प्रत्यय- (क्त्वा, ल्यप, तुमुन्, क्त, क्तवतु शतृ, शानच् तव्यत् अनीयर)।

(च) तदित प्रत्यय- अण, ढक् मतुप् इत् तल, ठकास्त्री प्रत्यय- टापू, ङीप

(छ) अव्यय -- पुनः, अपि, पुरा, अधुना, हयः श्वः, अदय, अधुना, कुत्र, यत्र,तत्र, सर्वत्र, यदा कदा,सर्वदा, उपरि, यथा, तथा अपि

2. संस्कृत निबंध लेखन एवं अनौपचारिक पत्र एवं प्रार्थना पत्र लेखन ।

3. (क) वेद, वेदाग, पुराण, उपनिषद् का सामान्य परिचय।

(ख) रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय।

4. संस्कृत के प्रतिनिधि काव्यों का परिचय (भास, कालिदास, शूद्रक एवं भवभूति की कृतियों का परिचयात्मक ज्ञान)

5. कारक एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय।

6. हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करना।

7. संस्कृत अपठित गद्य एवं अपठित पद्म का हिन्दी अनुवाद एवं पाठ्यांश पर आधारित विविध प्रकार के प्रश्न एक वाक्य में उत्तर, पूर्ण वाक्य में उत्तर, विशेषणविशेष्य अन्विति/पर्याय/ विलोम शब्द |

(ब) भाषायी विकास हेतु निर्धारित शिक्षाशास्त्र

- भाषा सीखना और ग्रहणशीलता।
- भाषा शिक्षण के सिद्धान्त।
- भाषा शिक्षण में सुनने, बोलने की भूमिका, भाषा के कार्य, बच्चे भाषा का प्रयोग कैसे करते हैं।
- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति अन्तर्गत भाषा सीखने में व्याकरण की भूमिका।
- भाषा शिक्षण में विभिन्न स्तरों के बच्चों की चुनौतियाँ, कठिनाइयां, त्रुटियां एवं क्रमबद्धता ।
- भाषा के चारों कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना) का मूल्यांकन
- कक्षा में शिक्षण अधिगम सामग्री पाठ्यपुस्तक, दूरसंचार (दृश्य एवं श्रव्य) सामग्री, बहुकक्षा सोत
- मूल्यांकन, निदानात्मक परीक्षण एवं उपचारात्मक शिक्षण।

मुख्य भाषा उर्दू (Urdu)	120 प्रश्न

1. भाषायी समझ

- गद्य (नसर) की विधाएं
- मकतूब निगारी, दास्तान, अदबी तारीख, मुखतसिर अफसानें, रिपोरताज, इन्शाईया, तन्जो - मजाह, सफर नामा, खाका।
- मुआविन मुताला- यादें, आपबीती मजमून, कहावतें

2. पद्य (नज्में)

- गजले (मसनवी, कसीदा, मरसिया नज्मे रुबाई
  तवील नज्मे अली सरदार जाफरी की वक्त का तराना

3. व्याकरण (कवायद)

हरूफ शमसी, हरूफ कमरी, हरकात व सकनात,रमूज औकाफ, साबके लाहके, सिफत, तजाद, तजाहुले आरिफाना, हरके अतफ मजाज मुरसिल, कहावतें, मुहावरे वाक्य में प्रयोग, तजनीस (ताम, जायद नाकिस) कनाया, लफ व नशर |

4. निबंध लेखन (मजमून)

5. पत्र / प्रार्थना पत्र (खत व दरख्वास्त)